14-06-2023

विश्व स्वास्थ्य संगठन की 'हर घर जल' योजना पर रिपोर्ट

समाचार पत्रों में क्यों?

WHO की रिपोर्ट सार्वजनिक स्वास्थ्य और आर्थिक बचत पर हर घर जल' कार्यक्रम के महत्वपूर्ण प्रभाव पर प्रकाश डालती है। 'हर घर जल' रिपोर्ट डायरिया संबंधी बीमारियों पर ध्यान केंद्रित करती है क्योंकि वे पानी, स्वच्छता, हाइजीन मुद्दों से संबंधित समग्र रोग बोझ में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं।

त्वरित मुद्दा?

- वर्तमान में, 12 करोड़ से अधिक ग्रामीण परिवारों, या 62% के पास पाइप के पानी के कनेक्शन हैं (2019 में लगभग 16% जब योजना शुरू की गई थी

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- गुजरात, तेलंगाना, गोवा, हरियाणा और पंजाब सहित पांच राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों अंडमान और निकोबार, दमन दीव और दादरा नगर हवेली और पुडुचेरी ने 100% कवरेज की सूचना दी है। वहीं पिछड़े राज्य भी अच्छा कर रहे हैं। हिमाचल प्रदेश (लगभग 99% पर) बिहार (96% से अधिक पर)
- सभी के लिए सुरक्षित रूप से प्रबंधित पेयजल सुनिश्चित करने से डायरिया से होने वाली लगभग 400,000 मौतों को रोका जा सकता है और इन बीमारियों से संबंधित लगभग 14 मिलियन विकलांगता समायोजित जीवन वर्ष को रोका जा सक है।
- 2018 में, परिवारों ने पानी इकट्ठा करने में हर दिन 66 मिलियन घंटे से अधिक समय बिताया, जिसमें से अधिकांश ग्रामीण क्षेत्रों में थे।
- 2018 में, भारत की कुल आबादी का 36% जिसमें 44% ग्रामीण आबादी शामिल है, को अपने परिसर में बेहतर पेयजल स्रोतों तक पहुंच नहीं है।
- 'हर घर जल' कार्यक्रम का उद्देश्य भारत के प्रत्येक ग्रामीण परिवार को सुरक्षित और किफायती नल का जल कनेक्शन प्रदान करना है। यह कार्यक्रम 2019 में शुरू किया गया था। इस योजना का कार्यान्वयन जल जीवन मिशन के तहत जल शक्ति मंत्रालय द्वारा किया जाता है।
- यह योजना एक अनूठे मॉडल पर आधारित है, जहां ग्रामीणों की जल समिति तय करेंगी कि वे अपने द्वारा उपभोग किए जाने वाले पानी के लिए क्या भुगतान करेंगे।
- इस कार्यक्रम का उद्देश्य 2024 तक भारत के प्रत्येक ग्रामीण परिवार को पूरी तरह कार्यात्मक, सुरक्षित और किफायती नल का जल कनेक्शन प्रदान करना है।

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक

समाचार पत्रों में क्यों?

घरेलू औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP) ने एक बार फिर निराश किया है। प्रमुख निर्माण, बिजली उत्पादन, पूंजीगत सामान, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं, प्राथमिक वस्तु निर्माण और खनन क्षेत्रों में गतिविधि धीमी हो गई। इस क्रम में पिछले साल अप्रैल में जो आईआईपी 6.7 फीसदी था वह इस साल अप्रैल में घटकर 4.2 फीसदी रह गया है।

त्वरित मुद्दा?

- राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा सोमवार को जारी विवरण में यह खुलासा हुआ है। हालांकि, उपभोक्ता गैर-टिकाऊ वस्तुओं का उत्पादन इस अप्रैल में शून्य से 0.8 प्रतिशत बढ़कर 10.7 प्रतिशत हो गया और बुनियादी ढांचा / निर्माण क्षेत्र का उत्पादन 4 प्रतिशत बढ़कर 12.8 प्रतिशत हो गया।
- आईआईपी के आंकड़ों में भी गिरावट आई क्योंकि अन्य प्रमुख क्षेत्र निराशाजनक रहे। इस बीच अगर इस साल मार्च को देखें तो ऐसा लगता है कि अप्रैल में आईआईपी 1.7 फीसदी से बढ़कर 4.2 फीसदी हो गया है। उल्लेखनीय है कि पिछले वित्त वर्ष (2022-23) के लिए आईआईपी की वृद्धि दर 5.2 फीसदी थी, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष (2021-22) में यह 11.4 फीसदी थी।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- मार्च 2023 में औद्योगिक उत्पादन में 2.3% की वृद्धि हुई थी।
- अप्रैल में निर्मित क्षेत्र के उत्पादन में 4.9% और खनन उत्पादन में 5.1% की वृद्धि हुई है। बिजली उत्पादन में 1.1% की गिरावट आई है।
- पूंजी के उत्पादन में 6.2% की गिरावट आई, जबकि प्राथमिक वस्तुओं और अस्थायी उत्पादों में क्रमशः 1.9% और 0.8% की मामूली कमी दर्ज की गई।
- औद्योगिक उत्पादन सूचकांक, एक निश्चित अवधि में औद्योगिक उत्पादन की मात्रा में परिवर्तन को संगत करने वाला पैमाना है।
- आईआईपी को पंजीकृत और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय सीमा कार्यालय (एनएसओ) द्वारा मासिक आधार पर प्रकाशित किया जाता है।आईआईपी का आधार वर्ष 2011-2012 है।
- यह एक समग्र अनुमान है जो निम्नलिखित क्षेत्रों के विकास दर को कवर करता है -
  - व्यापक क्षेत्र, अर्थात्, खनन, निर्माण और बिजली।
  - उपयोग-आधारित क्षेत्र, अर्थात् जमा पूंजी सामान, पूंजी सामान और जमा राशि।
- आईआईपी की नीति-निर्माण उद्देश्यों के लिए वित्त मंत्रालय, भारतीय रिजर्व बैंक सहित सरकारी अधिकार प्राप्त हैं।

- यह विभिन्न लक्ष्यों के लिए वित्तीय दृष्टिकोण, रणनीति और निजी कार्रवाइयों का भी बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाता है।
- इसका उपयोग उत्पादन की भौतिक मात्राओं के लिए किया जाता है।
- इसका उपयोग त्रैमासिक और पूर्व अनुमान अनुमानों की गणना के लिए भी किया जाता है।

मई में खुदरा मुद्रास्फीति में कमी

समाचार पत्रों में क्यों?

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक-सीपीआई पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति इस वर्ष मई के महीने में 25 महीने के निचले स्तर 4.25% पर आ गई। अप्रैल में महंगाई दर 4.7% थी।

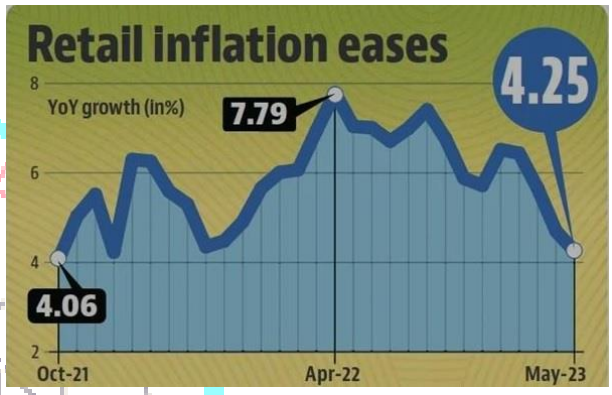

त्वरित मुद्दा?

- मुख्य रूप से अनाज और सब्जियों जैसे खाद्य कीमतों में कमी के साथ-साथ ऊर्जा की कम कीमतों के कारण मुद्रास्फीति में गिरावट आई है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के आज जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले महीने उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक (सीएफपीआई) अप्रैल के 3.84% से घटकर 2.91% रह गया।
- मई में ग्रामीण महंगाई दर 4.17 % ,जबकि शहरी महंगाई दर 4.27% रही।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- खुदरा मुद्रास्फीति का मापन उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) के अंतर्गत किया जाता है।
- खुदरा मुद्रास्फीति दर मई में पिछले 20 महीने के निचले स्तर पर है।
- यह लगातार तीसरा महीना है, जब मुद्रास्फीति, भारतीय रिजर्व बैंक के लिए अनिवार्य 6% ऊपरी सहिष्णुता सीमा से कम रही है।
- मई में खुदरा मुद्रास्फीति दर, शहरी उपभोक्ताओं के लिए 4.27% तथा ग्रामीण उपभोक्ताओं के लिए 4.17% थी।
- शहरी क्षेत्रों में खाद्य मुद्रास्फीति दर, अप्रैल के 3.7% से कम होकर मई में 2.43% हो गई।
- ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य मुद्रास्फीति दर, अप्रैल के 3.9% से घटकर मई में 3.2% हो गई।

अन्य प्रमुख तथ्य?

CPI के प्रकार

- राष्ट्रीय स्तर पर, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) की गणना 4 प्रकार से की जाती है।
- औद्योगिक श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (IW) - आधार वर्ष 2016
- कृषि श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (AL) - आधार वर्ष 1986-87
- ग्रामीण श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (RL) - आधार वर्ष 1986-87
- उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (ग्रामीण/शहरी/संयुक्त) - आधार वर्ष 2012
- इनमे से पहले तीन को श्रम मंत्रालय के अंतर्गत श्रम ब्यूरो द्वारा संकलित और जारी किया जाता है, जबकि चौथे को NSO द्वारा जारी किया जाता है।

- मई 2022 के स्तर से कीमतों में क्रमश: 16% और 8.8% की गिरावट के साथ, खाद्य पदार्थों में, सब्जियों और खाद्य तेलों ने मुद्रास्फीति को कम करने में सबसे अधिक योगदान दिया।
- उपभोक्ता मूल्य सूचकांक द्वारा वस्तुओं और सेवाओं की खुदरा कीमतों के स्तर में समय के साथ परिवर्तन को मापा जाता है, जिस पर परिभाषित समूह के उपभोक्ता अपनी आय खर्च करते हैं।
- उपभोक्ता मूल्य सूचकांक की गणना वस्तुओं एवं सेवाओं के एक मानक समूह के औसत मूल्य की गणना करके की जाती है।
- CPI के अंतर्गत, निम्नलिखित आठ क्षेत्रों में महंगाई दर को मापा जाता है - शिक्षा, संचार, परिवहन, मनोरंजन, कपड़े, खाद्य और पेय पदार्थ, आवास और चिकित्सा देखभाल।
- CPI को सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) द्वारा मासिक आधार पर प्रकाशित किया जाता है।CPI का आधार वर्ष 2012 है।

76वीं विश्व स्वास्थ्य सभा

समाचार पत्रों में क्यों?

हाल ही में 76वीं विश्व स्वास्थ्य सभा जिनेवा (स्विट्जरलैंड) में आयोजन किया गया। जिसका विषय: "WHO / 75 : जीवन बचाना, सभी के लिए स्वास्थ्य चलाना" था। इसके साथ ही ब्रिक्स स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक 2023 का भी आयोजन किया गया। इसमें ब्रिक्स सदस्य देशों - ब्राजील, रूस, चीन और दक्षिण अफ्रीका के स्वास्थ्य मंत्रियों ने भाग लिया।

त्वरित मुद्दा?

- यह विश्व स्वास्थ्य संगठन का मुख्य निर्णय लेने वाला निकाय है और इसमें 194 सदस्य देश शामिल हैं। हर साल, संगठन की प्राथमिकताओं और नीतियों पर सहमत होने के लिए सभी सदस्य राज्यों के प्रतिनिधि एक साथ (आमतौर पर मई में) आते हैं।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- इस सभा में "सभी के लिए स्वास्थ्य: महत्वपूर्ण बातों को पूरा करने के लिए अर्थव्यवस्थाओं में बदलाव" नामक रिपोर्ट जारी की गई। इस रिपोर्ट को विश्व स्वास्थ्य संगठन काउंसिल ऑन द इकोनॉमिक्स ऑफ हेल्थ फॉर ऑल द्वारा लॉन्च किया गया था।
- इस रिपोर्ट में सभी चार परस्पर संबंधित विषयों के लिए स्वास्थ्य प्रदान करने के लिए अर्थव्यवस्थाओं को पुनः उन्मुख करने की सिफारिश की गई है।
- इस सभा में महामारी से निपटने के लिए नए नियमों अर्थात वैश्विक महामारी संधि पर बातचीत की गई।
- स्वास्थ्य सभा संगठन की नीतियों को निर्धारित करती है। यह संगठन की वित्तीय नीतियों की निगरानी करता है और बजट की समीक्षा और अनुमोदन करता है।

- यह संगठन और संयुक्त राष्ट्र के बीच किसी समझौते के अनुसार आर्थिक और सामाजिक परिषद को रिपोर्ट करता है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन, स्वास्थ्य के लिए संयुक्त राष्ट्र की विशेष एजेंसी की स्थापना 1948 में हुई थी।
- इसका मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड में स्थित है 1194 सदस्य राज्य, 150 देश कार्यालय, छह क्षेत्रीय कार्यालय हैं।
- यह एक अंतर-सरकारी संगठन है और आमतौर पर स्वास्थ्य मंत्रालयों के माध्यम से अपने सदस्य राज्यों के सहयोग से काम करता है।
- WHO वैश्विक स्वास्थ्य मामलों पर नेतृत्व प्रदान करता है, स्वास्थ्य अनुसंधान एजेंडा को आकार देता है, मानदंड और मानक निर्धारित करता है, साक्ष्य आधारित नीति विकल्प तैयार करता है, देशों को तकनीकी सहायता प्रदान करता है और स्वास्थ्य प्रवृत्तियों की निगरानी और आकलन करता है।
- इसने 7 अप्रैल, 1948 को काम करना शुरू किया एक तारीख जिसे अब हर साल विश्व स्वास्थ्य दिवस के रूप में मनाया जाता है।

KAUTILYA ACADEMY INDORE